

# राजस्थान राज्य सेवाओं की भर्ती एजेंसी है आरपीएससी

राजस्थान सरकार के अधीन विभिन्न सेवाओं में अधिकारियों की भर्ती हेतु संवैधानिक संस्था राजस्थान लोक सेवा आयोग अजमेर द्वारा आयोजित संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा (R.A.S. & R.T.S.) एवं अन्य परीक्षाओं का आयोजन किया जाकर राज्य सेवाओं में योग्य अधिकारियों का चयन किया जाता है जो माता-पिता, अभिभावक शिक्षक, अपने बच्चों को चयनित करवाने या जो अभ्यर्थी स्वयं इन सेवाओं में चयनित होने की अभिलाशा रखते हैं उन्हें इस कठिन लेकिन प्रतिष्ठित मंजिल तक पहुँचने के लिए किन-किन रास्तों से सफर करते हुए लक्ष्य हासिल करना है। उनके मार्गदर्शन के लिए राज्य सरकार के अधीन विभिन्न पदों पर भर्ती हेतु आयोग (R.P.S.C.) द्वारा आयोजित इस परीक्षाओं का विवरण निम्नानुसार है।

3.1 राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएँ (संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा) भर्ती

3.2 राजस्थान वन सेवा

3.3 उच्च शिक्षा विभाग एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग में भर्ती

3.4 अन्य विभागों की राज्य सेवाओं में भर्ती

3.1 **राजस्थान राज्य एवं अधीनस्थ सेवाएँ (संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा) {Rajasthan State and Sub. Services (Comb.) Exam.}**— इस परीक्षा से आयोग आयोग (R.P.S.C.) जिन सेवाओं हेतु भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न करवाती हैं उन विभिन्न राज्य सेवाओं का विवरण इस प्रकार है—

**राजस्थान राज्य सेवाएँ :-**

1. **राजस्थान प्रशासनिक सेवा (R.A.S.)** : इन सेवा में चयनित अधिकारी प्रशिक्षण संस्थान (HCM RIPa) में प्रशिक्षण उपरान्त सामान्यतः उपखंड अधिकारी (S.D.O), अतिरिक्त जिला कलक्टर (A.D.M), मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद (C.E.O) के अलावा राज्य सरकार के अधीन विभिन्न संस्थाओं में महत्वपूर्ण पदों, सचिवालय जयपुर में विभिन्न पदों पर सेवाएँ देते हैं। इस सेवा के अधिकारी लगभग 20 से 25 वर्ष की सेवा के बाद भारतीय प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत होकर जिला कलक्टर, संभागीय आयुक्त एवं इनके समकक्ष पदों को धारण करते हुए नीति निर्धारण के साथ जनकल्याण एवं विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।
2. **राजस्थान पुलिस सेवा (R.P.S.)** : इस सेवा में चयनित अधिकारी प्रारम्भिक प्रशिक्षण के बाद राजस्थान पुलिस अकादमी जयपुर एवं जिलों में फिल्टर प्रशिक्षण सहित लगभग 2 वर्ष के प्रशिक्षण के बाद पुलिस उप अधीक्षक या वृत्ताधिकारी के पद पर पदस्थापित होते हैं। इसके बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के पद पर पदोन्नत होकर जिलों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के अलावा राजस्थान पुलिस की अन्य महत्वपूर्ण एजेंसियों (C.I.D, I.B., A.C.B., A.T.S., S.O.G., R.A.C., SDRF) पुलिस मुख्यालय आदि में पदस्थापित होकर विभाग एवं राज्य सरकार को सेवाएँ देते हैं। लगभग 20-25 वर्ष की सेवावधि के बाद आरपीएससी (R.P.S.) अधिकारियों की पदोन्नति भारतीय पुलिस सेवा में होकर ये अधिकारी पुलिस अधीक्षक, उप महानिरीक्षक पुलिस एवं अधिकतम महानिरीक्षक पुलिस के पद तक पदोन्नत एवं पदस्थापित होकर राज्य की कानून व्यवस्था, जनकल्याण आदि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।
3. **राजस्थान लेखा सेवा (R.Ac.S.)** : इस सेवा में चयनित अधिकारी प्रशिक्षण के बाद जिला कोशाधिकारी के पद के साथ-साथ राज्य सरकार के अधीन विभिन्न विभागों, आयोगों, संस्थाओं में लेखाधिकारी, वरिष्ठ लेखाधिकारी, वित्तीय सलाहकार सहित वित्त विभाग राजस्थान में पदस्थापित होकर महत्वपूर्ण पद धारण करते हैं। इस सेवा में भी पदोन्नति के अच्छे अवसर हैं कतिपय अधिकारी अन्य राज्य सेवा के कोटे से भारतीय प्रशासनिक सेवा में भी पदोन्नति प्राप्त करते रहें हैं।
4. **राजस्थान राज्य बीमा सेवा** : इस सेवा में चयनित अधिकारी जिला स्तर पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग में सहायक निदेशक तदुपरान्त उप निदेशक, संयुक्त निदेशक तथा अतिरिक्त निदेशक पर पदोन्नति प्राप्त कर लेते हैं। जिला स्तर के अलावा संभाग स्तर, राज्य बीमा निदेशालय में भी ये अधिकारी पदस्थापित होते हैं।
5. **राजस्थान उद्योग सेवा (R.Id.S.)** : इस सेवा में चयनित अधिकारी जिला स्तर पर जिला उद्योग केन्द्र में जिला महाप्रबंधक के अलावा संभाग एवं राज्य स्तर पर उद्योग विभाग एवं अन्य संबंधित राज्य उद्योग विभागों में पदस्थापित होकर सेवाएँ देते हैं अधीनस्थ सेवा में चयनित अधिकारी बाद में राज्य सेवा में पदोन्नत होते हैं।
6. **राजस्थान वाणिज्य कर सेवा (R.C.T.S.)**: इस सेवा में चयनित अधिकारी राज्य सरकार के राज्य वस्तु एवं सेवा कर (S.G.S.T.) की निगरानी, नियंत्रण एवं संग्रहण के महत्वपूर्ण कर्तव्य का निर्वहन हेतु राज्य सरकार के जिला संभाग एवं राज्य स्तरीय कार्यालयों में पदस्थापित होते हैं। इस सेवा में भी पदोन्नति के अच्छे अवसर हैं। राजस्थान राज्य वाणिज्य सेवा की अधीनस्थ सेवा में भी भर्ती इसी परीक्षा के माध्यम से होती है जो बाद में राज्य सेवा में पदोन्नत होते हैं।

7. **राजस्थान सहकारी सेवा** : ये अधिकारी जिला स्तरीय सहकारिता रजिस्ट्रार कार्यालय, सहकारी बैंक, भूमि विकास बैंक तथा राज्य स्तरीय सहकारिता विभाग में सेवाएँ देते हैं। राजस्थान सहकारी अधीनस्थ सेवा से सहकारिता निरीक्षक के पद पर चयनित अधिकारी राज्य सेवा में भी पदोन्नत होते हैं।
8. **राजस्थान पर्यटन सेवा** : ये अधिकारी पर्यटन विभाग के जिला एवं राज्य स्तरीय कार्यालय में पदस्थापित होकर पर्यटन विभाग में सेवाएँ देते हैं।
9. **राजस्थान कारागार सेवा** : ये अधिकारी राजस्थान सरकार के अधीन जेलों में प्रशासक अधिकारी के रूप में पदस्थापित होते हैं।
10. **राज्य खाद्य एवं नागरिक रसद सेवा** : ये अधिकारी जिले में जिला रसद अधिकारी (D.S.O.) तथा पदोन्नत होकर राज्यस्तरीय कार्यालय या सचिवालय में पदस्थापित होते हैं। इस सेवा में जिला स्तर पर सीधा जन जुड़ाव एवं जन सेवा अच्छा अवसर प्राप्त होता है। इसमें अधीनस्थ सेवा में चयनित खाद्य निरीक्षक खण्ड या जिलास्तर पर पदस्थापित होते हैं।
11. **राजस्थान परिवहन सेवा** : ये अधिकारी जिले में जिला परिवहन अधिकारी (D.T.O.) एवं पदोन्नत होकर उप प्रादेशिक परिवहन अधिकारी तथा परिवहन विभाग के अधीन संभागीय एवं राज्यस्तरीय कार्यालय में उच्च प्रशासनिक पदों पर पदस्थापित होते हैं। ये पद भी जिलास्तर पर सीधा जन जुड़ाव का है।
12. **राजस्थान महिला एवं बाल विकास सेवा** : इस सेवा में चयनित अधिकारी पंचायत समिति स्तर पर महिला एवं बाल विकास अधिकारी के पद पर पदस्थापित होकर महिलाओं एवं बालकों के कल्याण की योजनाओं को धरातल पर लागू कर जन सेवा करते हैं। राज्य महिला एवं बाल विकास अधीनस्थ सेवा के अधिकारी भी इसी परीक्षा के माध्यम से चयनित होते हैं।
13. **राजस्थान नियोजन सेवा** : ये अधिकारी जिला रोजगार अधिकारी एवं संभाग व राज्यस्तरीय कार्यालयों में कार्यरत होकर रोजगार सृजन एवं युवाओं को रोजगार की उपलब्धता हेतु कर्तव्य निर्वहन करते हैं।
14. **राजस्थान देवास्थान सेवा** : ये अधिकारी राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग के अधीन मंदिरों एवं अन्य परिसम्पत्तियों के संरक्षण, संवर्धन एवं विकास हेतु जिला, संभाग एवं राज्य स्तरीय कार्यालयों में पदस्थापित होते हैं। ये सहायक निदेशक, उप निदेशक, संयुक्त एवं अतिरिक्त निदेशक पद पर पदोन्नत होते हैं।
15. **राजस्थान ग्रामीण विकास सेवा** : इस सेवा में चयनित अधिकारी ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग के अधीन पंचायत समिति के खंड विकास अधिकारी (B.D.O.) के पद पर पदस्थापित होकर खंड स्तर पर ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज से सम्बंधित विकास योजनाओं एवं जन कल्याण की योजनाओं के प्रभावी नियंत्रण व निर्देशन के साथ उन्हें जमीनी स्तर पर लागू करते हैं। जो अभ्यर्थी आमजन से जुड़कर जनकल्याण का जूनून रखते हैं उनके लिए ये सेवा बेहतर विकल्प है।
16. **राजस्थान महिला विकास सेवा** : ये अधिकारी जिला स्तर पर पदस्थापित होकर जिले में महिला विकास से सम्बंधित योजनाओं के प्रभारी मॉनीटरिंग करते हैं।
17. **राजस्थान श्रम कल्याण सेवा** : ये अधिकारी जिला स्तर पर श्रम कल्याण अधिकारी के पद पर पदस्थापित होकर जिले में श्रमिक कल्याण की योजनाओं को लागू करने में प्रभावी निगरानी करते हैं।
18. **राजस्थान अल्पसंख्यक मामलात सेवा** : ये अधिकारी सहायक निदेशक के पद पर चयनित होकर जिला स्तर पर अल्पसंख्यकों के कल्याण हेतु संचालित योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की निगरानी करते हैं। अधीनस्थ सेवा के अधिकारी भी इसी भर्ती से चयनित होते हैं।
19. **राजस्थान आबकारी सेवा** : ये अधिकारी जिला आबकारी अधिकारी तथा पदोन्नत होकर संभाग तथा राज्य स्तरीय कार्यालय व संस्थाओं में पदस्थापित होकर आबकारी विभाग की नीतियों को प्रभावी ढंग से लागू करते हैं। राजस्थान आबकारी अधीनस्थ सेवा के अधिकारी भी इसी भर्ती से चयनित होकर इस विभाग में सेवाएँ देते हैं।
20. **राजस्थान तहसीलदार सेवा (R.T.S.)** : ये अधीनस्थ सेवा है इसमें चयनित अभ्यर्थी प्रशिक्षण बाद नायब तहसीलदार पद पर पदस्थापित होकर पदोन्नत होकर तहसीलदार तथा तत्पश्चात राजस्थान प्रशासनिक सेवा में पदोन्नत होकर उसके अनुरूप पद धारण करते हैं। इस सेवा के अधिकारी तहसील, उपखंड कार्यालय, जिला कलक्टर कार्यालय, राजस्व विभाग एवं अन्य कार्यालयों में पदस्थापित होकर सीधे जन सेवा से जुड़े होकर जन कल्याण में सहभागिता निभाते हैं।
21. **सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता अधीनस्थ सेवा** : इस सेवा में परिवीक्षा एवं कारागर, कल्याण अधिकारी, सामाजिक सुरक्षा अधिकारी तथा जिला परिवीक्षा सहसमाज कल्याण अधिकारी के पद पर चयनित होकर खंड एवं जिला स्तर पर समाज कल्याण विभाग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का धरातल स्तर पर क्रियान्वयन करते हैं।

### 3.2 भर्ती प्रक्रिया

A. **आवेदन प्रक्रिया** : आरपीएससी द्वारा समय-समय पर इस परीक्षा हेतु विज्ञप्ति जारी कर अभ्यर्थियों से ऑनलाइन आवेदन पत्र आयोग की वेबसाइट [www.rpsc.rajasthan.gov.in](http://www.rpsc.rajasthan.gov.in) पर लिए जाते हैं। उक्त सभी सेवाओं के लिए संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा होने के कारण एक अभ्यर्थी द्वारा एक ही आवेदन किया जाता है।

B. **आवेदक की योग्यताएँ (पात्रता)** :

आयु	अभ्यर्थी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष एवं अधिकतम आयु 40 वर्ष हो लेकिन अराजपत्रित अधिकारी की आयु न्यूनतम 25 वर्ष तथा अधिकतम 45 वर्ष हो। राजस्थान राज्य के एससी या एसटी या ओबीसी या एमबीसी पुरुष वर्ग अभ्यर्थी को 5 वर्ष, आरक्षित वर्ग की महिला अभ्यर्थी को 10 वर्ष और सामान्य वर्ग की महिला को 5 वर्ष की अधिकतम आयु में छूट होगी। विधवा एवं परित्यक्ता महिला के लिए अधिकतम आयु सीमा नहीं है। दिव्यांगजन को 10 से 15 वर्ष तक ऊपरी आयु में छूट है। भूतपूर्व सैनिक व राज्य के सार्वजनिक उपक्रमों आदि के कर्मचारियों के लिए भी ऊपरी आयु सीमा में छूट रहेगी।
शैक्षणिक योग्यता	अभ्यर्थी भारत सरकार या राज्य सरकार के कानून से मान्यता प्राप्त किसी भी विश्वविद्यालय या अन्य शैक्षणिक संस्था या विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री धारक हो या डिग्री कोर्स के अंतिम वर्ष में अध्ययनरत हो। लेकिन मुख्य परीक्षा से पूर्व डिग्री कोर्स पूर्ण कर शैक्षणिक अर्हता अर्जित करने वाला ही पात्र होगा।

### 3.3 प्रतियोगी परीक्षा योजना :

इस प्रतियोगी परीक्षा के दो चरण होते हैं।

(1) प्रथम चरण –प्रारम्भिक परीक्षा :

(2) द्वितीय चरण– (i) मुख्य परीक्षा (लिखित परीक्षा) एवं (ii) साक्षात्कार

#### 3.3.1 प्रारम्भिक परीक्षा : सामान्य ज्ञान एवं सामान्य विज्ञान (G.K. & G.S.) प्रश्न पत्र

- इस संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा की प्रारम्भिक परीक्षा में केवल एक प्रश्न पत्र बहुविकल्पीय प्रश्न (M.C.Q.) युक्त होता है जो 200 अंक का होता है, जिसमें कुल 150 प्रश्न होते हैं एवं सभी प्रश्नों के अंक समान होते हैं।
- प्रश्न पत्र का स्तर स्नातक स्तर का होता है।
- यह प्रश्न पत्र मुख्य परीक्षा के लिए क्वालिफाई प्रश्न पत्र होता है इसलिए इसके अंक मुख्य परीक्षा या अंतिम चयन (मेरिट) में नहीं जोड़े जाएँगे अर्थात् प्रारम्भिक परीक्षा केवल छँटनी परीक्षा है।
- प्रश्न पत्र हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होता है।
- प्रश्न पत्र में ऋणात्मक अंकन एक तिहाई अंक का होता है।

#### 3.3.2 प्रारम्भिक परीक्षा का पाठ्यक्रम

##### ➤ राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परम्परा व विरासत

- राजस्थान के प्रागैतिहासिक स्थल—पुरापाशाण से ताम्रपाशाण एवं कांस्य युग तक
- ऐतिहासिक राजस्थान: प्रारम्भिक ईस्वी काल के महत्वपूर्ण ऐतिहासिक केन्द्र। प्राचीन राजस्थान समाज—धर्म एवं संस्कृति।
- प्रमुख राजवंशों के महत्वपूर्ण भासकों की राजनीति एवं सांस्कृतिक उपलब्धियाँ—गुहिल, प्रतिहार, चौहान, परमार, राठौड़, सिसोदिया और कच्छवाहा। मध्यकालीन राजस्थान में प्रशासनिक तथा राजस्व व्यवस्था।
- आधुनिक राजस्थान का उदय: 19–20वीं शताब्दी के दौरान राजस्थान में सामाजिक जागृति के कारक। राजनैतिक जागरण, समाचार पत्रों एवं राजनैतिक संस्थाओं की भूमिका। 20वीं शताब्दी में जनजाति तथा किसान आन्दोलन, 20वीं शताब्दी के विभिन्न देशी रियासतों में प्रजामण्डल आन्दोलन। राजस्थान का एकीकरण।
- राजस्थान की वास्तु परम्परा—मन्दिर, किले, महल एवं मानव निर्मित जल संरचनाएँ, चित्रकला की विभिन्न शैलियाँ और हस्तकला।
- प्रदर्शन कला : शास्त्रीय संगीत एवं शास्त्रीय नृत्य, लोक संगीत एवं वाद्य, लोक नृत्य एवं नाट्य।
- भाषा एवं साहित्य: राजस्थानी भाषा की बोलियाँ। राजस्थान भाषा का साहित्य एवं लोक साहित्य।
- धार्मिक जीवन : धार्मिक समुदाय, राजस्थान में सन्त एवं सम्प्रदाय। राजस्थान के लोक एवं देवी-देवता।
- राजस्थान में सामाजिक जीवन : मेले एवं त्योहार, सामाजिक रीति-रिवाज तथा परम्पराएँ, वेद भूषा एवं आभूषण।

- राजस्थान के प्रमुख व्यक्तित्व।

## ➤ भारत का इतिहास—

### प्राचीन काल एवं मध्य काल—

- भारत के सांस्कृतिक आधार—सिन्धु एवं वैदिक काल, 6वीं भाताब्दी ईस्वी पूर्व की श्रमण परम्परा और नये धार्मिक विचार—आजीवक, बौद्ध तथा जैन धर्म।
- प्रमुख राजवंशों के महत्वपूर्ण भासकों की उपलब्धियाँ : मौर्य, कुशाण, सातवाहन, गुप्त, चालुक्य, पल्लव और चोल।
- प्राचीन भारत की कला एवं वास्तु।
- प्राचीन भारत में भाषाएँ एवं साहित्य का विकास : संस्कृत, प्राकृत एवं तमिल।
- सल्तनत काल : प्रमुख सल्तनत भासकों की उपलब्धियाँ। विजयनगर की सांस्कृतिक उपलब्धियाँ।
- मुगल काल : राजनैतिक चुनौतियाँ एवं सुलह— अफगान, राजपूत, दक्कनी राज्य और मराठा।
- मध्यकाल में कला एवं वास्तु, चित्रकला एवं संगीत विकास।
- भक्ति एवं सूफी आन्दोलन का धार्मिक एवं साहित्यिक योगदान।

### आधुनिक काल (प्रारम्भिक 19वीं भाताब्दी से 1964 तक)

- आधुनिक भारत का विकास एवं राष्ट्रवाद का उदय : बौद्धिक जागरण, प्रेस, पत्रिचा, शिक्षा। 19वीं भाताब्दी के दौरान सामाजिक—धार्मिक सुधार : विभिन्न नेता एवं संस्थान
- स्वतंत्रता संघर्ष एवं भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन : विभिन्न अवस्थाएँ, धाराएँ, महत्वपूर्ण योगदानकर्ता एवं दे। के अलग—अलग हिस्सों का योगदान।
- स्वतंत्र उत्तर राष्ट्र निर्माण — राज्य का भाषायी पुनर्गठन, नेहरू युग में सांस्थानिक निर्माण, विज्ञान एवं तकनीकी का विकास।

## ➤ विश्व एवं भारत का भूगोल

**विश्व का भूगोल :** प्रमुख स्थालाकृतियाँ— पर्वत, पठार, मैदान एवं मरुस्थल, प्रमुख नदियाँ एवं झीलें, कृषि के प्रकार, प्रमुख औद्योगिक प्रदेश, पर्यावरणीय मुद्दे— मरुस्थलीकरण, वनोन्मूलन, जलवायु परिवर्तन एवं ग्लोबल वार्मिंग (ऊष्मीकरण), ओजोन अवक्षय

**भारत का भूगोल :** प्रमुख स्थालाकृतियाँ— पर्वत, पठार एवं मैदान, मानसून तन्त्र एवं वर्षा का वितरण, प्रमुख नदियाँ एवं झीलें, प्रमुख फसलें— गेहूँ, चावल, कपास, गन्ना, चाय एवं कॉफी, प्रमुख खनिज— लौहा अयस्क, मैंगनीज, बॉक्साइट एवं अभ्रक, ऊर्जा संसाधन—परम्परागत एवं गैर—परम्परागत, प्रमुख औद्योगिकी प्रदेश, राष्ट्रीय राजमार्ग एवं प्रमुख परिवहन गलियारे।

## ➤ राजस्थान का भूगोल

- प्रमुख भू—आकृतिक प्रदेश एवं उनकी विशेषताएँ, जलवायु की विशेषताएँ, प्रमुख नदियाँ एवं झीलें, प्राकृतिक वनस्पति एवं मृदा, प्रमुख फसलें— गेहूँ, मक्का, जौ, कपास, गन्ना एवं बाजरा, प्रमुख सिंचाई परियोजनाएँ एवं जल संरक्षण तकनीकी, प्रमुख उद्योग, जनसंख्या—वृद्धि, घनत्व, साक्षरता, लिंगानुपात एवं प्रमुख जनजातियाँ, खनिज— धात्विक एवं अधात्विक, ऊर्जा संसाधन— परम्परागत एवं गैर—परम्परागत, जैव—विविधता एवं इनका संरक्षण, पर्यटन स्थल एवं परिपथ

## ➤ भारतीय संविधान, राजनैतिक व्यवस्था एवं भासन प्रणाली—

### भारतीय संविधान : दार्शनिक तत्व

- संविधान सभा, भारतीय संविधान की विशेषताएँ, संवैधानिक संशोधन, उद्देशिका, मूल अधिकार, राज्य नीति के निर्देशक तत्व, मूल कर्तव्य, भारतीय राजनैतिक व्यवस्था, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं मंत्री—परिशद, संसद, उच्चतम न्यायालय एवं न्यायिक पुनरावलोकन, भारतीय निर्वाचन आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परिक्षक, नीति आयोग, केन्द्रीय सतर्कता, लोकपाल, केन्द्रीय सूचना आयोग एवं राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग
- संघवाद, भारत में लोकतान्त्रिक राजनीति, गठबंधन सरकारें, राष्ट्रीय एकीकरण।

## ➤ राजस्थान की राजनीतिक एवं प्रशासनिक व्यवस्था—

**राज्य की राजनीतिक व्यवस्था** —राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं मंत्रीपरिशद, विधानसभा, उच्च न्यायालय

**प्रशासनिक व्यवस्था**— जिला प्रशासन, स्थानीय स्वशासन एवं पंचायतीराज संस्थाएँ

**संस्थाएँ**— राजस्थान लोक सेवा आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, लोकायुक्त, राज्य निर्वाचन आयोग, राज्य सूचना आयोग, **लोकनीति एवं अधिकार**— लोक नीति, विधिक अधिकार एवं नागरिक अधिकार पत्र।

## ➤ आर्थिक अवधारणाएँ एवं भारतीय अर्थव्यवस्था

**अर्थ शास्त्र की मूल अवधारणाएँ**— बजट निर्माण, बैंकिंग, लोक-वित्त, वस्तु एवं सेवा कर, राष्ट्रीय आय, संवृद्धि एवं विकास का आधारभूत ज्ञान, **लेखांकन**—अवधारणा, उपकरण एवं प्रशासन में उपयोग, स्टॉक एक्सचेंज एवं भोयर बाजार, राजकोशीय एवं मोद्रिक नीतियाँ, सब्सिडी, लोक वितरण प्रणाली, ई-कॉमर्स, मुद्रास्फीति— अवधारणा, प्रभाव एवं नियंत्रण तंत्र

### आर्थिक विकास एवं आयोजन

- अर्थव्यवस्था के प्रमुख क्षेत्र : कृषि, उद्योग, सेवा एवं व्यापार क्षेत्रों की वर्तमान स्थिति, मुद्दे एवं पहल
- प्रमुख आर्थिक समस्याएँ एवं सरकार की पहल, आर्थिक सुधार एवं उदारीकरण  
**मानव संसाधन एवं आर्थिक विकास**—मानव विकास सूचकांक, वैश्विक खुलाहली सूचकांक, गरीबी एवं बैराजगारी— अवधारणा, प्रकार, कारण, मैदान एवं वर्तमान फ्लेगशिप योजनाएँ  
**सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता**—कमजोर वर्गों के लिए प्रावधान
- **राजस्थान की अर्थव्यवस्था**— अर्थव्यवस्था का वृहत परिदृश्य, कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्र के प्रमुख मुद्दे, संवृद्धि, विकास एवं आयोजन, आधारभूत-संरचना एवं संसाधन, प्रमुख विकास परियोजनाएँ
- राज्य सरकार की प्रमुख कल्याणकारी परियोजना : अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, निःशुल्क, निराश्रितों, महिलाओं, बच्चों, वृद्धजनों, कृषकों एवं श्रमिकों के लिए।
- **विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी**— दैनिक जीवन में विज्ञान के मूलभूत तत्व, कम्प्यूटर्स, सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी, रक्षा प्रौद्योगिकी, अन्तरिक्ष प्रौद्योगिकी एवं उपग्रह, नैनो-प्रौद्योगिकी, जैव-प्रौद्योगिकी एवं अनुवंशिक-अभियांत्रिकी, आहार एवं पोषण, रक्त समूह एवं आरओचओ कारक, स्वास्थ्य देखभाल संक्रामक, असंक्रामक एवं पुंजन्य रोग, पर्यावरणीय एवं पारिस्थितिकीय परिवर्तन एवं इनके प्रभाव, जैव-विविधता, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं संधारणीय विकास
- कृषि-विज्ञान, उद्यान-विज्ञान, वानिकी एवं पशुपालन राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विकास राजस्थान के विशेष सन्दर्भ में।
- **तार्किक विवेचन एवं मानसिक योग्यता**  
**तार्किक दक्षता (निगमात्मक, आगमनात्मक, अपवर्तनात्मक)**—कथन एवं मान्यताएँ, कथन एवं तर्क, कथन एवं निश्कर्ष कथन-कार्यवाही, विलक्षणतात्मक तर्क क्षमता, **मानसिक योग्यता**— संख्या/अक्षर अनुक्रम, कूट वाचन (कोडिंग-डिकोडिंग), संबंधों से संबंधित समस्याएँ, दिशा ज्ञान परीक्षण, तार्किक वेन आरेख, दर्पण अथवा पानी प्रतिबिम्ब, आकार एवं उनके उपविभाजन, **आधारभूत संख्यात्मक दक्षता**, अनुपात-समानुपात तथा साझा, प्रतिशत, साधारण एवं चक्रवृद्धि ब्याज, समतलीय चित्रों के परिमाप एवं क्षेत्र, आंकड़ों का विलक्षण (सारणी, दण्ड-आरेख, रेखीय आलेख, पाई-चार्ट), माध्यम (समान्तर, गुणोत्तर एवं हरात्मक), माध्यिका एवं बहुलक, क्रमचय एवं संचय, प्रायिकता(सरल समस्याएँ)
- **समसामयिक घटनाएँ**—राजस्थान, भारतीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय महत्व की प्रमुख समसामयिक घटनाएँ एवं मुद्दे, वर्तमान में चर्चित व्यक्ति, स्थान एवं संस्थाएँ, खेल एवं खेलकूद संबंधी गतिविधियाँ

**टिप्पणी**—यह पाठ्यक्रम आर.पी.एस.सी. की वेबसाइट पर उपलब्ध है। उप निरीक्षक (S.I.) राजस्थान पुलिस परीक्षा के लिए प्रथम प्रश्न पत्र में सामान्य ज्ञान व सामान्य विज्ञान का भी यही पाठ्यक्रम है।

*“आपको एक सपना देखना है, चाहे वह बड़ा हो या छोटा। फिर अच्छी तरह योजना बनाएँ, ध्यान केंद्रित करें, कड़ी मेहनत करें और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दृढ़ संकल्पित रहें।”*  
—हेनरी साई

### 3.3.3 प्रारम्भिक परीक्षा की रणनीति

- (a) **प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम को समझना**— इस परीक्षा की तैयारी की शुरुआत करते हुए प्रतियोगी को आर.पी.एस.सी. द्वारा जारी प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा का हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों भाषाओं में उपलब्ध पाठ्यक्रम को आयोग की वेबसाइट से डाउनलोड करके अलग-अलग अध्ययन करना चाहिए जिससे अभ्यर्थी

को अपने लक्ष्य के दायरे की स्पष्ट जानकारी हो सके। अभ्यर्थी की तैयारी की नींव और उसके कर्मक्षेत्र का दायरा है पाठ्यक्रम इस लिए इसे कंठस्थ कर लेना चाहिए।

- (b) **पूर्व की परीक्षा के प्रश्नों पत्रों का अवलोकन**— पाठ्यक्रम का बिन्दुवार अध्ययन करने के बाद प्रारम्भिक परीक्षा के वर्तमान पैटर्न से पूर्व में आयोजित (2013, 2016 एवं 2018) परीक्षा के प्रश्नपत्र में विषयवार पूछे गए प्रश्नों के आधार पर विश्लेषण करना चाहिए ताकि हम यह जान सकें कि किन-किन विषयों से लगभग कितने प्रश्न औसतन पूछे जाने की संभावना रहती हैं। आपकी सुविधा के लिए पिछली तीन परीक्षाओं का विषयवार विवरण नीचे दिया जा रहा है।

क्रसं	विषय-वस्तु	2013 का प्रश्नपत्र	2016 का प्रश्नपत्र	2018 का प्रश्नपत्र	औसत प्रश्न संख्या
1.	राजस्थान का सामान्य ज्ञान (कला संस्कृति, भूगोल, इतिहास, राजव्यवस्था)	30	43	42	35–36 प्रश्न
2.	भारत का इतिहास	11	10	7	8–10 प्रश्न
3.	भारत एवं विश्व का भूगोल	13	8	12	11–12 प्रश्न
4.	भारत एवं राजस्थान की अर्थव्यवस्था	4	12	10	7–10 प्रश्न
5.	भारत की राजव्यवस्था	22	12	15	20–22 प्रश्न
6.	विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	19	20	20	19–20 प्रश्न
7.	गणित, तार्किक एवं मानसिक योग्यता	23	20	20	20–21 प्रश्न
8.	समसामयिकी	28	25	24	20–25 प्रश्न
योग		150	150	150	

पिछली तीन प्रारम्भिक परीक्षा के प्रश्न पत्रों का तुलनात्मक अध्ययन करने से स्पष्ट है कि इस परीक्षा में राजस्थान के सामान्य ज्ञान से लगभग 25% प्रश्न पूछे जाते हैं। इसके बाद समसामयिकी के लगभग 15–17% प्रश्न, गणित एवं मानसिक योग्यता के 11–12% प्रश्न, भारत की राज व्यवस्था के भी लगभग 12–13% प्रश्न एवं विज्ञान-प्रौद्योगिकी के 12–13% प्रश्न पूछे जाते हैं। इन 5 टॉपिक में से प्रश्न पत्र के लगभग 80% प्रश्न पूछे जाते हैं। प्रारम्भिक परीक्षा के एक टॉपिक (गणित, तार्किक एवं मानसिक योग्यता) के अलावा सभी टॉपिक मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम में शामिल है। प्रारम्भिक परीक्षा के विश्लेषण के आधार पर इस परीक्षा को पास करने की रणनीति बनानी चाहिए। इसके लिए प्रारम्भिक परीक्षा का कट ऑफ को भी देखना जरूरी है।

- (c) **प्रारम्भिक परीक्षा के प्रश्नपत्र की कट ऑफ का तुलनात्मक अध्ययन**— प्रारम्भिक परीक्षा के प्रश्नपत्र का विषयवार विश्लेषण करने के बाद प्रारम्भिक परीक्षा की पिछले तीन प्रश्नपत्रों की कट ऑफ का भी अपनी-अपनी श्रेणी के मद्देनजर आंकलन किया जाना चाहिए—

## प्रारम्भिक परीक्षा कट ऑफ सारणी

कट ऑफ नॉन टीएसपी					
अभ्यर्थियों की श्रेणी		वर्ष 2013	वर्ष 2016	वर्ष 2018	वर्ष 2021
सामान्य, ओ.बी.सी., एम.बी.सी. एवं ई.डब्ल्यू.एस.	पुरुष	63.40	78.54	76.66	84.72
	महिला	49.42	68.04	66.67	79.63
	विधवा	0.47	26.03	18.79	32.87
	परित्यक्ता	45.69	58.45	55.48	71.30
एस.सी.	पुरुष	61.07	71.69	68.01	72.69
	महिला	42.36	67.99	55.93	66.20
	विधवा	0.47	19.18	17.00	25.00
	परित्यक्ता	—	47.19	—	61.11
	दिव्यांग				
एस.टी.	पुरुष	63.40	76.26	73.38	76.85
	महिला	43.42	62.50	61.30	72.22
	विधवा	0.47	20.00	18.34	17.59
	परित्यक्ता	—			49.54
कट ऑफ टीएसपी					
सामान्य वर्ग	पुरुष	55.01	69.41		80.56
	महिला	46.15	55.25		79.63
एसटी वर्ग	पुरुष	50.35	58.45		58.80
	महिला	37.30	41.10		50.00

अराजपत्रित कर्मचारी		—	पर्याप्त अभ्यर्थी संबंधित श्रेणी में उत्तीर्ण।	संबंधित श्रेणी अभ्यर्थी उपलब्ध।	
भूतपूर्व कर्मचारी		7.83	39.27	38.48	50.00
स्पोर्ट्स पर्सन कोटा		56.88	प्रत्येक श्रेणी में पर्याप्त अभ्यर्थी जनरल मेरिट में उपलब्ध।	88.59	संबंधित श्रेणी अभ्यर्थी उपलब्ध।
विभागीय कर्मचारी कोटा		0.47	59.30	41.16	
दिव्यांग		श्रेणीवार अलग-अलग	श्रेणीवार अलग-अलग	श्रेणीवार अलग-अलग	
एम.बी.सी	पुरुष	61.54	78.54	76.06	
	महिला		68.04	66.67	
दिव्यांग	BL/LV	17.78	38.48	45.66	52.78
	HI	1.86	25.06	9.63	38.89
	LD/CP	पर्याप्त अभ्यर्थी उपलब्ध	7.80	71.14	68.98

प्रारम्भिक परीक्षा की कट ऑफ श्रेणी एवं उप श्रेणीवार अलग-अलग है। अभ्यर्थी जिस श्रेणी का है उसे अपनी श्रेणी की पिछली कट ऑफ से लगभग 5-10% अधिक अंक लाने का लक्ष्य निर्धारित करते हुए तैयारी की जानी चाहिए। मान लीजिए आप सामान्य या ओ.बी.सी. श्रेणी के अभ्यर्थी है तो इन श्रेणियों की पिछली कट ऑफ न्यूनतम 2013 की परीक्षा में 63.40 अंक (31.7%) एवं अधिकतम कट ऑफ वर्ष 2016 में 78.54 अंक (39.27%) रही हैं जो कि प्रश्नपत्र के स्तर के आधार पर घट बढ़ सकती हैं। इस तरह प्रारम्भिक परीक्षा में इस श्रेणियों के पुरुष अभ्यर्थियों को कम से कम 40% से 45% अंक लाने का लक्ष्य तय करके तदनुसार अध्ययन योजना बनानी

चाहिए। इसके लिए कम से कम 60 प्रश्न (ऋणात्मक अंकन के बाद) सही करने चाहिए। इस तरह प्रत्येक श्रेणी का आंकलन करके अपनी-अपनी श्रेणी के पिछले कट ऑफ के आधार पर अपना लक्ष्य निर्धारित कर सकता है। यह केवल अनुमान है लक्ष्य रखा नहीं।

(d) **पुस्तकों का चयन** :-प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए पुस्तकों का चयन अभ्यर्थी को बहुत ही सोच समझकर करना चाहिए। इसके लिए पाठ्यक्रम एवं पूर्व की परीक्षा के प्रश्नपत्र का विश्लेषण करने के बाद अपने गुरुजन, पूर्व में तैयारी कर रहे साथियों एवं इस क्षेत्र में सफल व्यक्तियों से विचार विमर्श कर गुणवत्तापूर्ण पुस्तकों का चयन करना चाहिए। इस हेतु कतिपय पुस्तकों की सूची (प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा) दी जा रही है जो इस प्रकार है—

**प्रतियोगी परीक्षाओं हेतु अनु ांशा योग्य पुस्तकें**

प्रारम्भिक परीक्षा का प्रश्न पत्र एवं पाठ्यक्रम की विषय वस्तु	मुख्य परीक्षा के प्रश्न पत्र एवं पाठ्यक्रम की विषय वस्तु	पुस्तकें
1. राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परम्परा व राजस्थान की विरासत	<b>प्रथम प्र न पत्र—सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन</b> (200 अंक) इकाई—1 (अंक 75) (खण्ड—अ) राजस्थान का इतिहास, कला, संस्कृति, साहित्य परम्परा व राजस्थान की विरासत	1. राजस्थान पैनोरमा वॉल्यूम—2 या लक्ष्य राजस्थान (कोई एक पुस्तक) एवं राजस्थान अध्ययन कक्षा 9 से 12 तक में से पाठ्यक्रम के अध्याय 2. राजस्थान का इतिहास—गोपीनाथ शर्मा 3. राजस्थान की कला एवं संस्कृति हेतु कोई एक पुस्तक
2. भारत का इतिहास—प्राचीन एवं मध्ययुगीन इतिहास, भारत का इतिहास—आधुनिक काल	(खण्ड—ब) भारतीय इतिहास एवं संस्कृति—प्राचीन एवं मध्यकालीन इतिहास—भारतीय धरोहर, ललित कलाएँ, प्रदर्शन कलाएँ, वास्तु परम्परा एवं साहित्य प्राचीन एवं मध्यकालीन भारत के धार्मिक आन्दोलन एवं धर्म दर्शन आधुनिक भारत का इतिहास— भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन, सामाजिक—धार्मिक आन्दोलन एवं स्वतन्त्रता के बाद एकीकरण एवं पुनर्गठन (खण्ड—स) आधुनिक विश्व का इतिहास	1. संक्षिप्त इतिहास एनसीईआरटी सार (कक्षा 6—12) महेश कुमार बरनवाल या ज्ञान इतिहास एनसीईआरटी—ज्ञानचन्द यादव 2. पुरानी एनसीईआरटी की प्राचीन भारतीय इतिहास पुस्तक— आर.एस. शर्मा 3. मध्यकालीन भारत का इतिहास— सती । चन्द्र वर्मा 4. आधुनिक भारत का इतिहास—स्पेक्ट्रम या भारत का स्वतंत्रता संग्राम—विपिन चन्द्र, 1. आधुनिक वि व का इतिहास—एन.सी. बि नोई
3. अर्थशास्त्रीय अवधारणाएँ एवं भारतीय अर्थव्यवस्था, अर्थव्यवस्था के मूलभूत सिद्धान्त, आर्थिक विकास एवं आयोजन, राजस्थान की अर्थव्यवस्था	<b>प्रथम प्र न पत्र—सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन</b> इकाई—2 (अंक 65) (खण्ड—अ) भारतीय अर्थशास्त्र, (खण्ड—ब) वैश्विक अर्थव्यवस्था, (खण्ड—स) राजस्थान की अर्थव्यवस्था	1. भारतीय अर्थव्यवस्था—परीक्षावाणी 2. भारतीय अर्थव्यवस्था—रमेश सिंह (केवल पाठ्यक्रम से संबंधित टॉपिक ही पढ़ना हैं।) 3. परीक्षावर्ष की भारत की आर्थिक समीक्षा एवं बजट सार 4. एनसीईआरटी अर्थ शास्त्र कक्षा 11 एवं 12वीं 1. राजस्थान—भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था—पैनोरमा वॉल्यूम—1 या लक्ष्य राजस्थान भाग—1 या राजस्थान की अर्थव्यवस्था—डॉ० लक्ष्मीनारायण नाथूरामका (कोई एक पुस्तक) 2. परीक्षावर्ष की राजस्थान की आर्थिक समीक्षा एवं बजट सार 3. राजस्थान सरकार की नीतियाँ एवं योजनाओं का अध्ययन—खनिज नीति, वन नीति, उद्योग एवं निवे । नीति, लघु उद्योग नीति



	प्रथम प्र न पत्र-सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन इकाई-3 (अंक 60) (खण्ड-अ) समाज शास्त्र (अंक 20)	1. समाज शास्त्र एनसीईआरटी कक्षा 11 एवं 12 (पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ का अध्ययन) एवं आरबीएसई की समाज शास्त्र पुस्तक से संबंधित पाठ का अध्ययन
	(खण्ड-ब) प्रबंधन, (अंक 20)	1. व्यवसायिक अध्ययन-I कक्षा 11वीं(NCERT) 2. व्यवसायिक अध्ययन-II कक्षा 12वीं (NCERT)(पाठ्यक्रम में निर्धारित पाठ का अध्ययन)
	(खण्ड-स) लेखांकन एवं अंकेक्षण(अंक 20)	1. लेखांकन-II (NCERT) कक्षा 12वीं
4. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	द्वितीय प्र न पत्र-सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन (अंक 200) इकाई-1 (अंक 65) प्रशासकीय नीति शास्त्र- नीति शास्त्र एवं मानवीय मूल्य	1. नीति भास्त्र, सत्यनिष्ठा एवं अभिरुचि-टी. एम.एच प्रकाशन या अरिहन्त प्रकाशन या द लेक्सीकॉन -क्रॉनिकल प्रकाशन (कोई एक)
	इकाई-2 (अंक 70) सामान्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एवं राजस्थान राज्य में जैव विविधता एवं उनका संरक्षण जल संरक्षण, राजस्थान में कृषि विज्ञान, उद्यान विज्ञान, वानिकी डेयरी एवं पशु	1. सामान्य विज्ञान-लूसेन्ट या एनसीईआरटी कक्षा 6-10 तक की विज्ञान की पुस्तकें या एनसीईआरटी की कक्षा 6-12 तक पुस्तकों का सार-संग्रह (केवल पाठ्यक्रम के टॉपिक) 2. विज्ञान एवं तकनीकी-दृष्टि या विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-टीएमएच प्रकाशन 3. राजस्थान सरकार की विभिन्न नीतियाँ-कृषि नीति, पर्यावरण नीति, जल एवं जल संरक्षण नीति, वन नीति, नवीकरणीय ऊर्जा नीति, राज0 सूचना प्रौद्योगिकी नीति, राज0 बायोटेक नीति आदि का अध्ययन
5.विश्व का भूगोल एवं भारत का भूगोल, राजस्थान का भूगोल	इकाई-3 (अंक 65) पृथ्वी विज्ञान (भूगोल एवं भू विज्ञान) (खण्ड-अ) विश्व का भूगोल	1.एनसीईआरटी की कक्षा 6-12 तक की कक्षावार भूगोल की पुस्तकें या एनसीईआरटी की कक्षा 6-12 तक पुस्तकों का सार-संग्रह-महेश कुमार बरनवाल (केवल पाठ्यक्रम के टॉपिक) या विश्व एवं भारत का भूगोल-परीक्षावाणी एस.के. ओझा (प्री एग्जाम) 2.भारत एवं विश्व का भूगोल-महेश कुमार बरनवाल 3.ऑक्सफोर्ड एटलस पुस्तक या अन्य प्रामाणिक एटलस पुस्तक का अध्ययन 4.पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी-परीक्षावाणी-एस. के. ओझा
	(खण्ड-ब) भारत का भूगोल	1. राजस्थान-भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था-पैनोरमा वॉल्यूम-1 या लक्ष्य राजस्थान भाग-1 2. राजस्थान का भूगोल-हरिमोहन सक्सेना 3. सिखवाल मानचित्रावली।
	(खण्ड-स) राजस्थान का भूगोल	

6. भारतीय संविधान, राजनैतिक व्यवस्था एवं शासन प्रणाली, लोक नीति व अधिकार	<p><b>तृतीय प्र न पत्र-सामान्य ज्ञान एवं सामान्य अध्ययन-(200 अंक)</b> इकाई-1 (75 अंक)</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>● (खण्ड-अ) भारतीय संविधान एवं भारतीय राजनैतिक व्यवस्था, राजस्थान की राज्य राजनीति-पंचायतीराज एवं नगरीय स्वायत्त संस्थाएँ सहित</li> <li>● (खण्ड-ब) विश्व राजनीति- वैि वक संगठन एवं वैि वक मुद्दे, भारत की विदे ा नीति एवं भारत की भूमिका एवं प्रभाव</li> </ul>	<p>1. भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था-परीक्षावाणी</p> <p>2. भारतीय राजव्यवस्था-एम लक्ष्मीकांत</p> <p>3. भारत का संविधान-सिद्धान्त एवं व्यवहार एवं स्वतंत्र भारत की राजनीति-एनसीईआरटी</p> <p>4. समकालीन वि व की राजनीति-एनसीईआरटी</p> <p>5. राजस्थान की राजव्यवस्था-डॉ जनक सिंह मीणा</p>
7. समसामयिक घटनाएँ-राजस्थान राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय समसामयिक घटनाएँ एवं मुद्दे, चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान, खेल एवं खेलकूद गतिविधियाँ	<p>(खण्ड-स) समसामयिक घटनाएँ-राजस्थान राज्य स्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय समसामयिक घटनाएँ एवं मुद्दे, चर्चित व्यक्तित्व एवं स्थान, खेल एवं खेलकूद गतिविधियाँ</p>	<p>1. दृष्टि करन्ट अफेयर्स टुडे या क्रॉनिकल मासिक पत्रिका या किसी अन्य मासिक समसामयिक पत्रिका का अध्ययन (कोई एक)</p> <p>2. हिन्दी एवं अंग्रेजी के एक-एक समाचार पत्र का अध्ययन अंग्रेजी-द हिन्दु या इण्डियन एक्सप्रेस हिन्दी-जनसत्ता या दैनिक जागरण या अन्य हिन्दी समाचार पत्र (कोई एक)</p> <p>3. राजस्थान समसामयिकी-सुजस राजस्थान तथा निम्न में से कोई पत्रिका- द्विमासिक मूमल या राजस्थान पैनोरमा करन्ट अफेयर्स या राजस्थान क्रोनोलॉजी (कोई एक)</p> <p>4. यू-ट्यूब पर नियमित रूप से समाचार पत्र वि लेशन व करंट अफेयर्स को सुनना एवं नोट्स बनाना।</p>
	इकाई-2 (65 अंक) भाग-अ लोक प्र ासन एवं प्रबंधन की अवधारणायें, मुद्दे एवं गत्यात्मकता	<p>1. लोक प्र ासन एवं प्रबंधन-टीएमएच प्रका ान (लक्ष्मीकांत)</p> <p>2. लोक प्र ासन-राजकुमार कस्वां</p>
	राजस्थान में प्र ासनिक ढांचा एवं संस्कृति जिला प्र ासन, संवैधानिक आयोग	<p>1. राजस्थान-भूगोल, अर्थव्यवस्था एवं राजव्यवस्था-पैनोरमा वॉल्यूम-1 या लक्ष्य राजस्थान भाग-2</p>
	इकाई-3 (60 अंक) खेल एवं योग, व्यवहार एवं विधि (खण्ड-अ) खेल एवं योग,	<p>1. शारीरिक ि ाक्षा कक्षा-9 एवं 10 (RBSE) एवं स्वास्थ्य ि ाक्षा की एनसीईआरटी की कक्षा 11 एवं 12 में से संबंधित पाठ का अध्ययन</p>
	(खण्ड-ब) व्यवहार	<p>1. मनोविज्ञान कक्षा-11 एवं 12 (NCERT)</p>
	(खण्ड-स) विधि	<p>1. पाठ्यक्रमत में निर्धारित कानूनों का अध्ययन एवं ऑनलाइन सामग्री से नोट्स बनाकर या किसी संस्था के नोट्स का अध्ययन</p>
8. तार्किक विवेचन एवं मानसिक योग्यता, तार्किक दक्षता, मानसिक योग्यता, एवं	मुख्य परीक्षा में ये टॉपिक शामिल नहीं हैं।	<p>1. आर0एस0 अग्रवाल या आर0 एन0 मथूरिया में से किसी एक पुस्तक का अध्ययन एवं अभ्यास</p>

आधार भूत संख्यात्मक दक्षता		
	<b>चतुर्थ प्र न पत्र-सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी—(200 अंक)</b> सामान्य हिन्दी—(120 अंक) इकाई—1 (भाग—अ) हिन्दी व्याकरण (50 अंक) (भाग—ब) संक्षिप्तीकरण, पल्लवन पत्र—लेखन, प्रारूप लेखन एवं अनुवाद (50 अंक) (भाग—स) किसी सामयिक एवं अन्य विषय पर निबंध लेखन (शब्द सीमा 250) (20 अंक)	1. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड राजस्थान की हिन्दी व्याकरण एवं रचना प्रबोध 2. सामान्य हिन्दी— राघव प्रका I या हिन्दी निबंध—दृष्टि या हिन्दी व्याकरण की कोई एक पुस्तक
	<b>चतुर्थ प्र न पत्र-सामान्य हिन्दी एवं सामान्य अंग्रेजी—</b> सामान्य अंग्रेजी—(80 अंक) Part (A) Grammer and Usage (20 Marks) Part (B) Comprehension, Translation and Precise Writing (30 Marks) Part (C) Composition and Letter writing (30 Marks)	1. General English- B.K. Rastogi 2. English Grammer and Composition-Arihant Publication (For Practice)

- (e) **प्रारम्भिक परीक्षा तैयारी** :- आर.ए.एस. की प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के दोनों पाठ्यक्रमों का तुलनात्मक अध्ययन करने एवं पुस्तक चयन के बाद अभ्यर्थी को अपनी तैयारी की कार्ययोजना बनाकर लागू करनी चाहिए।
- दोनों परीक्षाओं में समान पाठ्यक्रम** — दोनों परीक्षाओं में राजस्थान की कला, संस्कृति, विरासत, इतिहास, अर्थव्यवस्था, भूगोल, राज-व्यवस्था, भारत का इतिहास, स्थापत्य, धर्म व दर्शन, संस्कृति, भारत की अर्थव्यवस्था, भारत का संविधान एवं राजव्यवस्था, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, भारत एवं विश्व का भूगोल, राजस्थान, भारत एवं विश्व की समसामायिकी का पाठ्यक्रम शामिल है। प्रारम्भिक परीक्षा का 80% पाठ्यक्रम केवल एक टॉपिक (गणित एवं तार्किक योग्यता) को छोड़कर मुख्य परीक्षा में शामिल है इसलिए प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा की अलग-अलग तैयारी के बजाय मुख्य परीक्षा के पाठ्यक्रम को ध्यान में रखकर समग्र तैयारी करनी चाहिए। दोनों परीक्षाओं में समान पाठ्यक्रम वाले विषयों के प्रारम्भिक परीक्षा के दृष्टिकोण से तथ्याधारित नोट्स के साथ-साथ मुख्य परीक्षा की विषय-वस्तु हेतु विवेचनायुक्त नोट्स बनाने चाहिए ताकि इन टॉपिक को अच्छी तरह तैयार किया जा सके।
  - समान पाठ्यक्रम वाले बिन्दुओं या विषयों की पुस्तकों का भी चयन दोनों परीक्षाओं के मद्देनजर करना चाहिए ताकि लम्बी तैयारी यात्रा (यह परीक्षा 02-03 वर्ष में एक बार आयोजित होती है) में बार-बार उन्हीं पुस्तकों अध्ययन करते हुए तैयारी करते रहे। भारतीय इतिहास, राजस्थान का इतिहास, कला संस्कृति एवं धरोहर, राजस्थान, भारत एवं विश्व का भूगोल, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, राजव्यवस्था, तार्किक योग्यता आदि की पुस्तकें शुरु से अंत तक एक ही रहनी चाहिए।
  - प्रारम्भिक परीक्षा के प्रश्नपत्र में लगभग 25% प्रश्न राजस्थान के सामान्य ज्ञान के पूछे जाते हैं यदि कोई अभ्यर्थी राजस्थान के इतिहास, कला, संस्कृति, धरोहर, राजस्थान की अर्थव्यवस्था, भूगोल, अर्थव्यवस्था आदि का विस्तृत एवं व्यवस्थित अध्ययन करता है तो वह प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा के ¼ पाठ्यक्रम को तैयार कर लेता है जो उसकी सफलता में बहुत सहायक सिद्ध होता है। इन विषयों पर पर्याप्त पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध है एवं राजस्थान का सामान्य ज्ञान न केवल इस परीक्षा में बल्कि आयोग द्वारा ली जाने वाली अधिकतर परीक्षाओं के पाठ्यक्रम में शामिल होता है इसलिए आयोग की किसी भी परीक्षा में बैठने के इच्छुक अभ्यर्थी को कक्षा 10+2

उत्तीर्ण करने के बाद राजस्थान के सामान्य ज्ञान के पाठ्यक्रम को शामिल करने वाली मानक पुस्तकों का चयन कर उन्हीं पुस्तकों का निरंतर अध्ययन करना चाहिए। राजस्थान का इतिहास, भूगोल, कला, संस्कृति, धरोहर आदि विषय सामग्री में कोई परिवर्तन नहीं होता है केवल राजव्यवस्था, भूगोल एवं समसामयिकी की सूचनाओं एवं आंकड़ों का अपडेशन करना होता है इसलिए शुरु से ही प्रत्येक विषय की अच्छी पुस्तकों का चयन कर उनका 2-3 बार अध्ययन करने के बाद उनके नोट्स बनाने चाहिए। राजस्थान के सामान्य ज्ञान के नोट्स उनके लिए इस परीक्षा के अलावा राजस्थान लोक सेवा आयोग व अधीनस्थ सेवा भर्ती बोर्ड की अन्य परीक्षाओं के लिए उपयोगी रहेंगे।

4. **प्रारम्भिक परीक्षा का एक मात्र विषय जो मुख्य परीक्षा में नहीं है वह है तार्किक विवेचन, मानसिक योग्यता एवं संख्यात्मक दक्षता (गणित)।** इस विषय से लगभग 20 प्रश्न (13-14%अंक भार) पूछे जाते हैं इसलिए चयनित होने की अपेक्षा रखने वाले अभ्यर्थी इस विषय की भी अपेक्षा नहीं कर सकते हैं। अभ्यर्थी इसमें शामिल कतिपय कठिन टॉपिक को छोड़कर चयनित (Selected) टॉपिक के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त कर अधिकाधिक अभ्यास एवं ट्रिक्स से उन पर अपनी पकड़ बनाने की कोशिश करें क्योंकि प्रारम्भिक परीक्षा की बाधा को पार करने में उसका भी महत्वपूर्ण योगदान है। अन्य विषय जैसे इतिहास, कला, संस्कृति एवं भूगोल, राजव्यवस्था के विस्तृत पाठ्यक्रम में से कहीं से भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं तथा यह भी संभावना हो सकती है कि उनमें से कई प्रश्न कभी नहीं पढ़े हो या पढ़े हो तो उस समय स्मृति में नहीं हो लेकिन तार्किक विवेचना एवं मानसिक योग्यता एवं गणित के पाठ्यक्रम में शामिल टॉपिक के समस्त प्रकार के प्रश्नों को हल करने का कौशल हासिल कर परीक्षार्थी प्रश्नपत्र में पूछे गए लगभग समस्त प्रश्न हल कर सकता है। अतः जिन अभ्यर्थियों की इस विषय पर अच्छी पकड़ है उन्हें उसे बहुत ही अच्छा तैयार करना चाहिए क्योंकि यह चयन में बहुत सहायक होगा तथा जिनकी इनमें रुचि कम है या जिन्हें इन टॉपिक को समझने में दिक्कत है उन्हें चयनित टॉपिक का अध्ययन एवं अभ्यास जरूर करना चाहिए लेकिन पूरी तरह इस टॉपिक से अछूता नहीं रहना चाहिए।
5. **समसामयिकी :** इस दौरान परीक्षा से कम से कम एक वर्ष से डेढ़ वर्ष पूर्व के राजस्थान, भारत एवं विश्व स्तरीय समसामयिकी घटनाचक्र पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि इनसे संबंधित प्रश्न हल करने में आसानी रहे।
6. **मॉडल प्रश्नपत्र हल करना :** प्रारम्भिक परीक्षा से पूर्व अधिक से अधिक ऑनलाईन या ऑफलाईन मॉडल प्रश्न पत्र निर्धारित समय से हल करने चाहिए ताकि अभ्यास से तैयारी में पूर्णता आएगी तथा समय प्रबंधन सहित अन्य कमियों का सुधार किया जा सकेगा।
7. जो अभ्यर्थी प्रारम्भिक परीक्षा एवं मुख्य परीक्षा की साथ-साथ तैयारी कर रहे हैं उन्हें प्रारम्भिक परीक्षा से 2-3 माह पूर्व मुख्य परीक्षा के बजाय प्रारम्भिक परीक्षा पर ध्यान केन्द्रित करना चाहिए। इसके लिए पूर्व में पढ़ी गई पुस्तकों या नोट्स का प्रारम्भिक परीक्षा के पैटर्न के मुताबिक तथ्यात्मक बिन्दुओं को ध्यान में रखकर पढ़ना चाहिए इससे आपका पाठ्यक्रम जल्दी-जल्दी पूर्ण होगा जिससे आपमें एक अलग तरह का आत्मविश्वास पैदा होगा कि हमारी तैयारी अच्छी है तथा हम इस परीक्षा को आसानी से उत्तीर्ण कर लेंगे। इसी आत्मविश्वास से लबरेज होकर परीक्षा में बैठेंगे तो सफलता निश्चित रूप से मिलेगी।

**“लगातार प्रयत्न करने वाले लोगों की गोद में सफलता स्वयं आकर बैठ जाती है।”**

**—भारवि**